Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education

Vol. X, Issue No. XIX, July-2015, ISSN 2230-7540

AN INTERNATIONALLY INDEXED PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL

REVIEW ARTICLE

gkbLdwy Lrj dS nf"Vckf/kr ,oa Jo.kckf/kr fo|kfFk;ksa dh v/;;u vknrksa ,oa vdknfed vfHkizsj.kk dk fo'ys"k.kkRed v/;;u

gkbZLdwy Lrj ds nf"Vckf/kr ,oa Jo.kckf/kr fo|kfFkZ;ksa dh v/;;u vknrksa ,oa vdknfed vfHkizsj.kk dk fo'ys"k.kkRed v/;;u

Imtiyaz Mansoori[1] Dr. Rama Tyagi[2]

[1]Principal – Devi Rukmani College Khargone (M.P.)

[2]Principal – Institute of Professional Studies, Gwalior (M.P.)

----------------------------------x----------------------------------

1-1 izLrkouk %&

सामान्यतः शिक्षा शब्द का प्रयोग हम सीखने से करते हैं। शिक्षा जीवन पर्यंत चलने वाली सतत् प्रक्रिया हैं, और जीवन के प्रत्येक अनुभव से उसमें वृद्धि होती हैं। जीवन ही वास्तव में शिक्षा देता हैं। शिक्षा व्यक्ति के आचरण, विचार व दृष्टिकोण में परिवर्तन करती हैं, और योग्यताओं का विकास करती हैं, जो समाज राष्ट्र तथा सम्पूर्ण विश्व के लिये लाभदायक हैं। अतः हम यह कह सकते हैं, कि शिक्षा की प्रक्रिया मनुष्य के जीवन को प्रभावित करती हैं।

भारत एक प्रजातांत्रिक देश हैं, देश के प्रत्येक प्राणी के लिये शिक्षा का प्रबंध करना सरकार का कर्तव्य हैं।

<u>दृष्टिबाधित बालक का अर्थ</u> :— दृष्टिबाधित ऐसे बालक होते हैं जो ठीक प्रकार से देखने में समर्थ नहीं होते हैं। बालक मोटे छापे की पुस्तक पढ़ सकते हैं, तथा वे सामान्य वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। लेकिन गंभीर रूप से दृष्टिबाधित बालक जो वस्तुओं को देखने में असमर्थ होते हैं, वे दृश्य विधियों द्वारा शिक्षित नहीं किये जा सकते उनकी देखने की क्षमता स्नेलन चार्ट की सहायता से मापी जाती हैं।

<u>श्रवण बाधिता का अर्थ</u> :— किसी व्यक्ति द्वारा पूरी तरह से आवाज सुनने में अक्षम होना श्रवणबाधिता हैं, यह श्रवण यंत्रणा के अपर्याप्त विकास के कारण, श्रवण संस्थान की बीमारी या चोट लगने की वजह से हो सकता हैं।

1-2 vkfpR; %&

चूंकि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य होता हैं, बालक का सर्वांगीण विकास करना एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना हैं। विशिष्ट बालकों की विशेषताएं सामान्य बालको से भिन्न होती हैं, अतः उनके अधिगम की प्रक्रिया व गुणवत्ता सामान्य बालको से भिन्न होती हैं। अधिगम की प्रक्रिया में अधिगम आदतों तथा अधिगम के प्रति अभिप्रेरणा का प्रभाव महत्वपूर्ण होता हैं, अधिगम आदतों का संबंध उनकी अधिगम शैली योग्यता, एकाग्रता कार्य, प्रतिस्थापन, सेट्स अन्तर्क्रिया, अभ्यास, सहारा देना, नोट करना एवं भाषा से होता हैं। साथ ही अकादमिक अभिप्रेरण भी छात्रों की उपलब्धी को प्रभावित करती हैं। चूंकि अधिगम एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया हैं। अतः उसके नियोजन में इन दोनों चरों के प्रभाव का ध्यान रखा जाना आवश्यक हैं। साथ ही श्रवण बाधित व दृष्टिबाधित छात्रों हेतु विशिष्ट अधिगम वातावरण के निर्माण में इनकी भुमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। अतः इसके महत्व को देखते हुए इस शोध कार्य की आवश्यकता हैं।

1-3 leL;k dFku %&

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु समस्या कथन निम्नानुसार हैं —

हाईस्कूल स्तर के दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं अकादमिक अभिप्रेरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

1-4 mn~ns'; %&

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं —

1. हाइस्कूल स्तर के दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

2. हाईस्कूल स्तर के दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अकादमिक अभिप्रेरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

1-5 U;kn'kZ %&

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिये न्यादर्श का चयन यादृच्छिक रूप से इन्दौर शहर के दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विशिष्ट विद्यालयों में से किया जाएगा जिसमें हाईस्कूल स्तर के श्रवणबाधित एवं दृष्टिबाधित 18 छात्र एवं 18 छात्राओं को सम्मिलित किया जाएगा।

1-6 'kks/k dh izÑfr %&

शोध की प्रकृति सर्वेक्षणात्मक हैं। जिसके अंतर्गत दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों तथा अकादमिक अभिप्रेरण का सर्वेक्षण किया गया।

1-7 midj.k %&

1.1.0 प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधक द्वारा प्रदत्तों के एकत्रीकरण हेतु निम्न उपकरणों का प्रयोग किया जाएगा –

अध्ययन आदत सूची : प्रस्तुत शोध में अध्ययन आदत के मापन हेतु एम. मुकोपाध्याय एवं डी.एन. सनसनवाल द्वारा निर्मित अध्ययन संबंधी आदतों की सूची परीक्षण का प्रयोग दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित छात्रों के अध्ययन आदतों के मापन के लिये किया जाएगा।

1-8 fu"d"kZ %&

उपरोक्त अध्ययन से दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों का अध्ययन करने से यह निष्कर्ष प्राप्त होता हैं, कि हाईस्कूल स्तर पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के घटक का सहारा देना का स्तर उच्च पाया गया। औसत अंक भाषा तथा निम्न स्तर एकाग्रता को प्रदर्शित करता हैं। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता हैं कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का प्रसार उच्च तथा औसत श्रेणी के अंतर्गत हैं, तथा श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के घटक का भाषा का स्तर उच्च पाया गया। औसत अंक नोट करना तथा निम्न स्तर कार्य प्रतिस्थापन तथा अन्तर्क्रिया को प्रदर्शित करता हैं। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता हैं कि श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का प्रसार उच्च तथा औसत श्रेणी की अंतर्गत हैं।

इसी प्रकार दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अकादमिक अभिप्रेरण का अध्ययन करने से यह निष्कर्ष प्राप्त होता हैं कि हाईस्कूल स्तर पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के अकादमिक अभिप्रेरण का स्तर औसत अभिप्रेरित सर्वाधिक पायी गयी। तथा हाईस्कूल पर अध्ययनरत् श्रवणबाधित विद्यार्थियों की औसत अभिप्रेरणा स्तर सर्वाधिक पायी गयी।

1-9 'kSf{kd fufgrkFkZ %&

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग में लाए जा सकते हैं।

- सामान्य शिक्षक :– प्रस्तुत शोध सामान्य शिक्षकों हेतु महत्वपूर्ण हैं। सामान्य शिक्षक भी यदि अकादमिक अभिप्रेरण का परीक्षण करके विद्यार्थियों के स्तर की पहचान कर उच्च स्तर के बालकों को प्रोत्साहित तथा निम्न स्तर के बालकों और अभिप्रेरित कर उनका स्तर बढ़ा सकते हैं। इसी प्रकार विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को परीक्षण कर उनकी अध्ययन आदतों में सुधार कर सकते हैं। एवं उन्हें एकीकृत विद्यालय में अनुकूलन एवं समायोजन में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

- विशिष्ट शिक्षक :– विशिष्ट शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं, अतः विशिष्ट शिक्षक भी दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों की अध्ययन आदत एवं अकादमिक अभिप्रेरण का परीक्षण लेकर उनके अध्ययन एवं अकादमिक संबंधी समस्याओं का पता लगाकर उन्हें उचित सुझाव एवं सहयोग प्रदान कर उन्हें अभिप्रेरित कर सकते हैं।

- अभिभावक :– अभिभावक को अपने दृष्टिबाधित बच्चों पर पूरा ध्यान देना चाहिए एवं उनकी अध्ययन संबंधी आदतों में आने वाली समस्याओं को समझकर दूर करना चाहिये एवं अपने बच्चों की अकादमिक संबंधी बातें जानकर उन्हें और अधिक अभिप्रेरित करना चाहिये ताकि दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित बच्चे भी शैक्षिक क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

- विद्यालय :– दृष्टिबाधित बच्चे देख नहीं सकते एवं श्रवणबाधित बच्चे सुन नहीं सकते। ये बालक रंगों एवं ध्वनियों से जुड़ी हुई संकल्पना सीख नहीं सकते लेकिन विद्यालय ऐसे संसाधनों का प्रयोग करें जिससे इनके जीवन को मार्गदर्शन मिलें। समय – समय पर इन बालकों की योग्यतानुसार कार्यक्रम या गतिविधि करवाए। गायन, वादन, नृत्य, वाद–विवाद आदि कार्यक्रमों से इनका मनोबल बढ़ाया जा सकता हैं तथा इनकी सृजनात्मकता को पहचाना जा सकता हैं।

- पाठ्यचर्या निर्माता :– पाठ्यचर्या निर्माता को यह ध्यान रखना चाहिये कि पाठ्यचर्या निर्माण करते समय दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित बालकों की विशेषताओं के अनुसार विषयवस्तु निर्धारित की जानी चाहिये। उनके व्यावसायिक विकास हेतु गतिविधियां सम्मिलित की जानी चाहिए एवं उनका भी मानव संसाधन के रूप में विकास किया जाना चाहिए।

lUnHkZ xzUFk& lwph (Bibliography)

fgUnh

- अग्रवाल, जी.: विकलांगता समस्या और समाधान. निधि प्रकाशन, दिल्ली, 1981.
- आहूजा, एस.: दृष्टिहीनों का शिक्षण तथा पूनवर्सन. एन. ए. बी. प्रकाशन, मुंबई, 1994.
- एन. आई. वी. एच.: हैण्डबुक फार दि टीचर्स ऑफ दि विजुअली हेण्डीकेप्ड. एन. आई. वी. एच, देहरादून, 1992.
- कुमारी, आर.: विf"k"ट f"k{kk के f"k{kकों की समस्याओं का अध्ययन. अप्रकाf"kत एम.एड. लघु शोध प्रबंध, शिक्षा अध्ययनशाला, देवी अहिल्या वि"वविद्यालय, इन्दौर, 2013.
- कौशिक, बी.: विकलांग शिक्षा. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1977.
- गेरेट, ई. एच.: शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग. कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1995.

www.ignited.in

- चौहान, आर. एस.: शिक्षक प्रशिक्षण लेखमाला. आल इण्डिया कन्फेडरेशनल ऑफ दि ब्लाइंड, रोहिणी, दिल्ली, 2004.
- जैन, पी.: माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् दृष्टिबाधित बालक एवं बालिकाओं की वृद्धि शौक्षिक रुचि एवं समायोजन का वि" लेषणात्मक अध्ययन. अप्रकाि" ात एम.एड. लघु शोध प्रबंध, शिक्षा अध्ययनशाला, देवी अहिल्या वि" वविद्यालय, इन्दौर, 2013.
- जोशी, के.: कक्षा 7 वी के दृष्टिबाधित बालकों के संस्कृत त्रुटियों के निवारण में अभ्यास–सत्र की प्रभाविता का अध्ययन. अप्रकाि" ात एम.एड. लघु शोध प्रबंध, f" ाक्षा अध्ययन" ााला, देवी अहिल्या वि" वविद्यालय, इन्दौर, 2011.
- दुबे, एल. एन. एवं बरोदे, बी. आर.: वि" ाष्ट बालक आरोही प्रका" ान, जबलपुर, 2008.पाल, एच. आर.: प्रतिभाशालियों की शिक्षाः क्षिप्रा प्रकाशक, दिल्ली, 2011.
- पारे, एन.: कक्षा 5 वीं के दृष्टिबाधित बालकों हेतु गणित विषय पर विकसित गति विधि आधारित सामग्री का उपलब्धि व प्रतिक्रिया के संदर्भ में अध्ययन. अप्रकाशित एमए लघु शोध प्रबंध, f" ाक्षा अध्ययन" ााला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर,2010.
- पाल, एच. आर., पाल, आर. एवं देवड़ा, आर.: प्रयोगात्मक शिक्षा मनोविज्ञान. हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2012.
- पाल, एस. एवं वि" वकर्मा, बी.: वि" ोष f" ाक्षा–f" ाक्षण कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013.
- पाल, एच. आर. एवं पाल, ए.: विशिष्ट बालक. मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल,.2010.
- पाल, एच. आर. एवं शर्मा, एम.: मापन आकलन एवं मूल्यांकन. क्षिप्रा पब्लिशर्स, दिल्ली,2009.
- बैस, एन. एसः एवं सूत्रकार, बी.: विशिष्ट वर्ग के बालकों की शिक्षा. जैन प्रकाशन मंदिर, जयपुर, 2008.
- भनोट, एस.: श्रवण–क्षतियुक्त बालक– कारण, पहचान एवं उपचार. कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2012.
- भटनागर, ए. बी. एवं भटनागर, एम.: मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन. आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, 2005.
- भार्गव, एम.: विशिष्ट बालक. शिक्षा एवं पुनर्वास. एच. पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2011.
- भार्गव, आर. एवं आराधनाः वि" ाष्ट बालक तथा माता–पिता की f" ाक्षा. एच. आई. बी. एस.,आगरा, 2012.
- भार्गव, टी.: एकीकृत विद्यालय में अध्ययनरत् दृष्टिबाधित बालिकाओं एवं f" ाक्षिकाओं की शैक्षिक एवं समायोजन संबंधी समस्याओं का अध्ययन. अप्रकाि" ात एम. एड. लघु शोध प्रबंध, f" ाक्षा अध्ययन" ााला, देवी अहिल्या वि" वविद्यालय, इन्दौर, 2011.
- भालेराव, यू.: मध्यप्रदेश के शिक्षित दृष्टिहीनों का सामाजिक अध्ययन. गौरव पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1985.
- मंसुरी , आई.: दृष्टिबाधित f" ाक्षा संस्था का व्यक्ति इकाई अध्ययन अप्रकाि" ात एम.एड. लघ शोध प्रबंध, f" ाक्षा अध्ययन" ााला, देवी अहिल्या वि" वविद्यालय, इन्दौर, 2009.
- मिश्र, वी. के.: विकलांगों के अधिकार. कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, 2003.
- मिश्रा, वी.: विकलांगो के अधिकार. कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, 2003.
- लाखोरे, आर.: मध्यप्रदे" ा में माध्यमिक स्तर के विकलांग बालकों की f" ाक्षा के लिए किये गये शासकीय प्रयासों का मूल्यांकन. अप्रकाि" ात एम.एड. लघु शोध प्रबंध, f" ाक्षा अध्ययन" ााला, देवी अहिल्या वि" वविद्यालय, इन्दौर, 2010.
- शर्मा, एम.: वि" ाष्ट बालक–अवधारणा, विकास एवं f" ाक्षा. कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2014.
- शर्मा, एस. पी.: वाणी–दोषयुक्त एवं दृष्टि अक्षम बालक–कारण, पहचान एवं उपचार. कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2012.
- शर्मा, व्हाय.: प्रतिभासम्पन्न एवं सृजनात्मक बालक पहचान, प्रकार एवं विशेषताएँ. कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2012.
- शर्मा, आर.: विशिष्ट शिक्षा का प्रारुप. आर लाल बुक डिपो, मेरठ, 2008.
- सिंह, एम.: शिक्षा मनोविज्ञान. पी. एच. पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2010.
- सिंह, एन. एवं अरोड़ा, पी.: शैक्षिक अनुसंधान की विधियां. पद्मा पब्लिकेशन, जयपुर, 2008.

vxzth

- **Aiken, L. R.:** Psychological Testing & Assessment. London: Allyn and Bacon, 1991.
- **Allison, J., Blatt, S. J. & Zimet, C. N.:** The Interpretation of Psychological Test. New York:

- Harper & Row, 1968.
- **Arkoff, A.:** Adjustment and Mental Health. New York: McGraw Hill Book Co., 1968.
- **Barron, F.:** Creative Person and Creative Process. New York: Holt, Rinehart and Winston, 1969.
- **Buch M.B. (Ed.):** First survey of Research in Education. Baroda: Centre of Advanced Study in Education, 1974.
- **Buch, M.B. (Ed.):** Second Survey of Research in Education (1972-1978). Baroda: Society for Educational Research and Development, 1979.
- **Buch, M.B. (Ed.):** Third Survey of Research in Education (1978-1983). New Delhi: NCERT, 1986.
- **Butcher, H.J.:** Human Intelligence and Its Nature & Assessment. London: Methuen & Co., 1968.
- **Cameron, N.:** Personality Development & Psychopathology. Boston: Houghton Muffin, 1963.
- **Chauhan, S. S.:** Advanced Educational Psychology. New Delhi: Vikas Publishing House
- PVT, Ltd, 1998.
- **Crow, L. D. and Crow, A.:** Child Psychology, New Delhi: Eurasia Publishing House Pvt. Ltd.1958.
- **English, H. B. and English, A. C.:** A Comprehensive Dictionary of Psychological and
- Psychoanalytical Terms. New York : Longmans Green & Co., 1958.
- **Ferguson, L. W.:** Personality Measurement. New York: McGraw Hill Book Co., Inc., 1959.
- **Gage, N. L. and Berliner, D. C.:** Educational Psychology. Chicago: Rand Mcnally College
- Publishing Co., 1975.
- **Good, C. V.:** Essentials of Educational Research. New York: Appleton-Century-Crofts, 1972.
- **Malhotra, S. P. and Kumari S.:** Language Creativity Test. Agra: National Psychological
- Corporation, 1989.
- **Marnat, G. G.:** Handbook of Psychological Assessment (4th Ed.). New Jersey: John Wiley & Sons,Inc., 2003.
- **NCERT:** Fifth Survey of Research in Education (1988-1992). New Delhi: NCERT, 2000.
- **NCERT:** Forth Survey of Research in Education (1983-1988). New Delhi: NCERT, 1991.
- **NCERT:** Sixth Survey of Research in Education-Vol I. New Delhi: National Council of
- Educational Research & Training, 2006.
- **NCERT:** Sixth Survey of Research in Education-Vol II. New Delhi: National Council of
- Educational Research & Training, 2007.
- **Sansanwal, D. N. (Ed.):** Sixth Survey of Research in Education (1993-2005).
- http//:www.dauniv.ac.in/, 20 September, 2011.

Websites

1. http://www.investopedia.com/terms/s/specialneedschild.asp

2. http://pediatrics.aappublications.org/content/102/1/137.full

3. http://childhealthdata.org/docs/nsch-docs/whoarecshcn_revised_07b-pdf.pdf

4. www.ccfc.ca.gov/pdf/research/.../Special_Needs_Def_01_2008.pdf

5. www.parentcenterhub.org/wp-content/uploads/repo_items/gr3.pdf

6. www.specialkidstherapy.org/

7. http://www.children.gov.on.ca/htdocs/English/topics/specialneeds/rehabilitation/index.aspx

8. http://www.cdc.gov/ncbddd/adhd/features/adhdkeyfindings-treatment-special-needs-children.html

9. http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/25841538

www.ignited.in